प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

कृषकों की आय बढ़ाने हेतु आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन

पंतनगर। १७ दिसम्बर, २०१७। पंतनगर विश्वविद्यालय में कृषि महाविद्यालय के पादप रोग विज्ञान विभाग के उच्च संकाय प्रशिक्षण केन्द्र द्वारा आयोजित ३७वें २१-दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 'कृषकों की आय बढ़ाने के लिए कृषि एवं औद्यानिक फसलों में फसल के दौरान व फसलोपरान्त होने वाली हानि को कम करने हेतु तकनीकी' का समापन हुआ। विभाग के सभागार में आयोजित समापन कार्यक्रम की अध्यक्षता अधिष्ठाता कृषि, डा. जे. कुमार, ने की उन्होंने उच्च तकनीक के प्रयोग द्वारा फसल के दौरान एवं फसलोपरान्त होने वाले नुकसान पर प्रकाश डाला और कहा कि किसानों की आय बढ़ाने हेतु ज्यादा उत्पादन करना जितना जरूरी है उससे भी अधिक आवश्यक फसल में होने वाले नुकसान को कम करना है। डा. जे. कुमार ने बताया कि फसल उत्पादन के उपरान्त भी उचित देखभाल के अभाव में उत्पादन का नुकसान लगभग ४० प्रतिशत आंका गया है, जिसकी अनुमानित राशि लगभग ७०० करोड़ रूपये होती है। उन्होंने कहा कि फसलोपरान्त उच्च तकनीकी के प्रयोग से यह राशि बचाई जा सकती है, जिसके लिए आवश्यक है कि किसान उचित फसल चक्र अपनाएं व रोग प्रतिरोधी प्रजातियों का चयन करें, जिससे मृदा की गुणवत्ता बनी रहे व फसल उत्पादन में रोग व कीटाणुओं का प्रकोप भी कम रहे। डा. कुमार ने समापन सत्र में प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक समपन्न करने पर प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किये।

समापन कार्यक्रम में विभिन्न राज्यों से आये हुये प्रतिभागियों के प्रतिनिधियों ने कार्यक्रम की व विश्वविद्यालय के सौहार्दपूर्ण वातावरण की सराहना करते हुए प्रशिक्षण कार्यक्रम को अत्यन्त उपयोगी बताया। विभागाध्यक्ष व निदेशक, उच्च संकाय प्रशिक्षण केन्द्र, डा. करूणा विशुनावत, ने प्रशिक्षण कार्यक्रम की विस्तृत आख्या प्रस्तुत करते हुए विगत २१ दिन में हुए अति महत्वपूर्ण व्याख्यानों व प्रयोगात्मक कक्षाओं की उपयोगिता के बारे में बताया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में देश के ८ राज्यों से २० वैज्ञानिकों ने प्रतिभाग किया। डा. योगेन्द्र सिंह, कार्यक्रम समन्वयक ने धन्यवाद प्रस्ताव ज्ञापित किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष एवं पादप रोग विज्ञान विभाग के वैज्ञानिक, विद्यार्थी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र प्रदान करते अधिष्ठाता कृषि, डा. जे. कुमार।